DGA–01/CCP–01

June – Examination 2023

Diploma in General Agriculture Examination

CROP PRODUCTION

(फसल उत्पादन)

Paper : DGA–01/CCP–01

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) मूँग व उड़द की चार उन्नत किस्में लिखिए।

   (ii) ICARDA का पूरा नाम लिखिए

   (iii) ज्वार का वानस्पतिक नाम व कुल लिखिए।

(iv) मृदा उत्पादकता से आप क्या समझते हैं ?

(v) मृदा संगठन व संरचना को परिभाषित कीजिए।

(vi) दो सूचक फसलों के नाम लिखिए।

(vii) आच्छादित फसलें क्या हैं ?

(viii) सरसों की **दो** किस्मों के नाम लिखिए।

(ix) फसल चक्र क्या है ? उदाहरण दीजिए।

(x) दो तेल वाली रबी फसलों के नाम लिखिए।

खण्ड—ब 4×10=40

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. नाइट्रोजन, फॉस्फोरस एवं पोटेशियम की कमी के लक्षण क्या होंगे ?

3. मूंगफली में पोषक तत्व प्रबन्ध पर संक्षिप्त लिखिए।

4. गेहूँ की क्रान्तिक सिंचाई अवस्थाएँ समझाइए।

5. चने में समेकित किट प्रबंधन को समझाइए।

6. फसलों का वानस्पतिक वर्गीकरण दीजिए।

7. धान की एस.आर.आई. विधि पर टिप्पणी कीजिए।

8. दलहनी फसलों में राइजोबियम कल्चर पर लेख लिखिए।

9. मूंगफली की गुच्छे वाली एवं फैलने वाली किस्मों के बीच अन्तर बताइए।

खण्ड—स 2×20=40

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

(अ) कार्बनिक कृषि

(ब) चावल में पोषक तत्व प्रबंधन

(स) कपास में कीट प्रबंधन

11. फसलों में समन्वित उर्वरक प्रबन्धन पर निबंध लिखिए।

12. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ कीजिए :

(अ) गेहूँ में सूक्ष्म तत्व प्रबंधन

(ब) बाजरा में रोग प्रबंधन

(स) चना में निविंग

13. बाजरे को निम्नलिखित मदों में समझाइए :

(अ) जलवायु व मृदा आवश्यकता

(ब) पोषक तत्व प्रबन्ध

(स) बुवाई का समय, बीज दर, बीजोपचार

(द) खरपतवार प्रबंधन